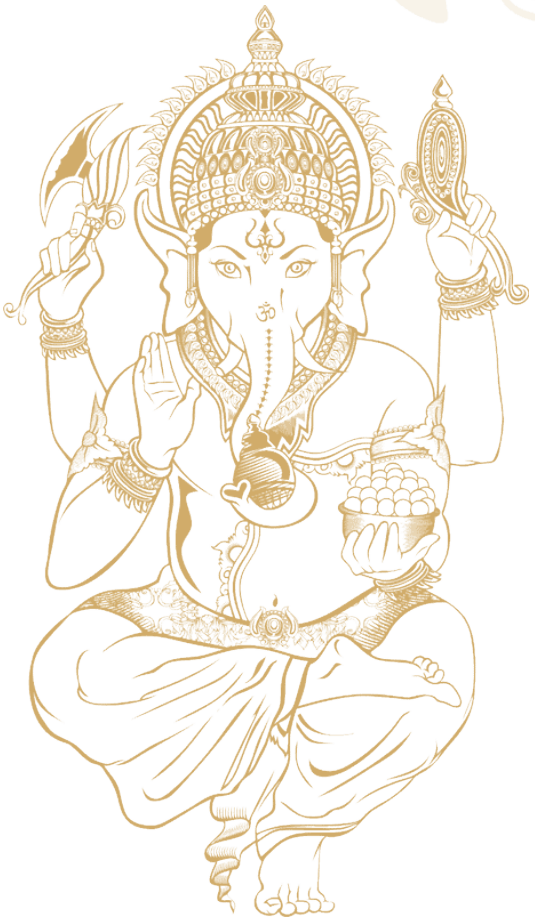

# Mr. Jateen

# Ms.dharti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120574003

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग : | लिंग | : स्त्रीलिंग |
| 10-11/12/1991 : | जन्म तिथि | : 01/07/1996 |
| मंगल-बुधवार : | दिन | : सोमवार |
| घंटे 00:07:00 : | जन्म समय | : 08:05:00 घंटे |
| घटी 42:42:37 : | जन्म समय(घटी) | : 06:34:31 घटी |
| India : | देश | : India |
| Faridabad : | स्थान | : Delhi |
| 28:24:00 उत्तर : | अक्षांश | : 28:39:00 उत्तर |
| 77:18:00 पूर्व : | रेखांश | : 77:13:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व : | मध्य रेखांश | : 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:20:48 : | स्थानिक संस्कार | : -00:21:08 घंटे |
| घंटे 00:00:00 : | ग्रीष्म संस्कार | : 00:00:00 घंटे |
| 07:01:57 : | सूर्योदय | : 05:26:56 |
| 17:25:00 : | सूर्यास्त | : 19:22:54 |
| 23:44:56 : | चित्रपक्षीय अयनांश | : 23:48:34 |

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| चन्द्र 6वर्ष 5मा 27दि | | 23:30:04 | सिंह | लग्न | | कर्क | 18:45:39 | शुक्र 17वर्ष 7मा 18दि | |
| गुरु | | 24:27:19 | वृश्चि | सूर्य | | मिथु | 15:44:01 | चन्द्र | |
| 08/06/2023 | | 14:40:33 | मक | चंद्र | | धनु | 14:54:37 | 18/02/2020 | |
| 08/06/2039 | | 14:36:01 | वृश्चि | मंगल | | वृष | 19:15:53 | 18/02/2030 | |
| गुरु | 27/07/2025 | 19:21:56 | वृश्चि | बुध | व | मिथु | 03:44:13 | चन्द्र | 19/12/2020 |
| शनि | 07/02/2028 | 20:14:17 | सिंह | गुरु | व | धनु | 19:23:14 | मंगल | 20/07/2021 |
| बुध | 15/05/2030 | 11:27:06 | तुला | शुक्र | व | वृष | 17:59:36 | राहु | 19/01/2023 |
| केतु | 21/04/2031 | 09:53:49 | मक | शनि | | मीन | 13:19:27 | गुरु | 20/05/2024 |
| शुक्र | 20/12/2033 | 16:09:16 | धनु | राहु | व | कन्या | 19:07:29 | शनि | 19/12/2025 |
| सूर्य | 08/10/2034 | 16:09:16 | मिथु | केतु | व | मीन | 19:07:29 | बुध | 20/05/2027 |
| चन्द्र | 07/02/2036 | 18:41:51 | धनु | हर्ष | व | मक | 09:43:34 | केतु | 20/12/2027 |
| मंगल | 13/01/2037 | 21:41:38 | धनु | नेप | व | मक | 03:01:24 | शुक्र | 19/08/2029 |
| राहु | 08/06/2039 | 27:37:34 | तुला | प्लूटो | व | वृश्चि | 06:56:53 | सूर्य | 18/02/2030 |

## लग्न-चलित

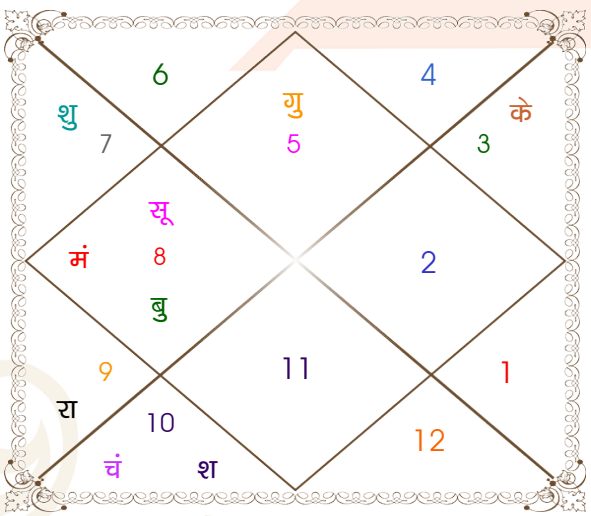


## लग्न-चलित

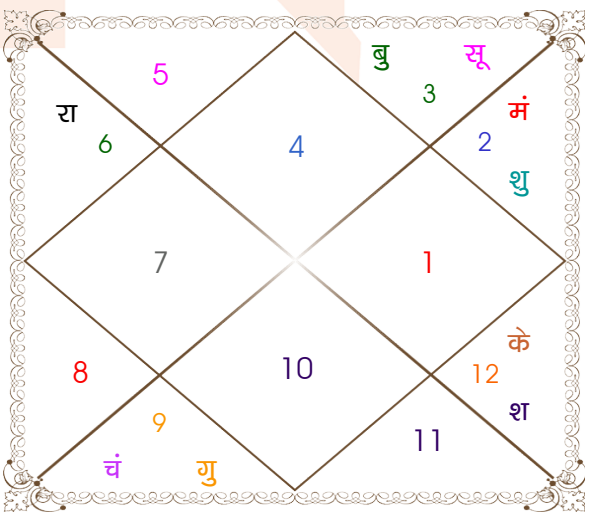

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | वैश्य | क्षत्रिय | 1 | 0.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | चतुष्पाद | मानव | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | विपत | मित्र | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | वानर | वानर | 4 | 4.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | शनि | गुरु | 5 | 3.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | देव | मनुष्य | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | मकर | धनु | 7 | 0.00 | हाँ | जीवन शैली |
| नाड़ी | अन्त्य | मध्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 23.50 | | |

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

डतण श्रंजममद का वर्ग मार्जार है तथा Ms.dharti का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण श्रंजममद और Ms.dharti का मिलान औसत है।

## मंगलीक दोष मिलान

डतण श्रंजममद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

**अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।**
**वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।**

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल डतण श्रंजममद कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।**
**विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण श्रंजममद कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.dharti मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.dharti कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण् श्रंजममद तथा Ms.dharti में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।